Janata Health Plan

*142. SHRI EDUARDO FALEIRO: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state.

(a) whether the Indian Medical Association branches in the Southern States have threatened to campaign against the 'Janata Health Plan' for posting barefoot doctors in rural areas; and

(b) if so, the reaction of Government in this matter?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मन्त्री (श्री राजनारायण) : (क) भारत सरकार को इसकी जानकारी नहीं है भारत सरकार ने देहाती इलाकों में बेयर-फुट डाक्टरों को तनात करने की कोई योजना शुरू नहीं की है । भारत सरकार ने तो केवल एक ही योजना चलाई है जिसका नाम जन स्वास्थ्य रक्षक योजना है और जिसके अन्तगत समाज द्वारा समाज के लिए जन स्वास्थ्य रक्षकों को चुनने की व्यवस्था है ।

(ख) यह प्रश्न नहीं उठता

श्रीमन, मैं एक निवेदन करना चाहता हूं कि इस सम्बन्ध में हमने कई बार यह साफ किया है कि हम बेयर फुट डाक्टर्स की बात नहीं कर रह हैं । हम किसी भी कट्टी की हुबहू नकल नहीं कर रह हैं । भारतवर्ष अपना देश है, यहां हमारा अपना समाज है और हमारी अपनी व्यवस्था है । उसके मताबिक हमने जन स्वास्थ्य रक्षक चुने हैं । उनको जनता चुनती है और व सरकारी कमचारी नहीं माने जाते । तीन महीना उनकी ट्रेनिंग होती है । ट्रेनिंग पीरियड में हम उनको दो सौ रुपया देते हैं और उसके बाद जन स्वास्थ्य रक्षकों को एक दवाई की पेटिका दी जाएगी और पचास रुपया प्रति माह उनको मिलेगा ।

SHRI EDUARDO FALEIRO: It is really surprising that Government is not aware of the threat of agitation which South Indian branches or certain branches—of the Indian Medical Association have given. It has been reported in the Indian Express of 24th August 1977, in their Bombay editon, that they will start an agitation against the bare-foot doctors or Janata Swasthya Rakshak scheme, whatever it may be. (*Interruptions*) As my friend rightly said, it is not only certain branches of the Indian Medical Association, but the entire Indian Medical Association is going to agitate They have already threatened agitation on this, as Dr. Dutta chairman of the Action Committee of that Association has aid; and it is mentioned in the Hindustan Standard of Calcutta dated 20th July 1977. There was sufficient time for the Government to come to know about this They never come to know any thing in a shorter time. It is only after four months they come to know. It is irresponsible. I am sorry to use this word

MR SPEAKER: Please put the question.

SHRI EDUARDO FALEIRO: I was about to do that, when the hon. Minister interrupted me. It is irresponsible on the part of Government to give this type of reply. Now all the associations, including the Federation of Junior Doctors of Delhi, have threatened to go on agitation. The grievance of these people is that the persons who will work in the villages would have education up to the sixth standard. They will be trained for three months and then they will go and practise medicine. I would like to know whether the Government have considered the alternative proposal, whose salient features are that the health workers take only preventive measures, preventive education in the villages and not curative, the retired doctors should be given extension for five years and allowed

to practise in the villages so that they will settle in the villages and practise, instead of letting loose these government trained quacks on these poor village people. Otherwise, what will happen is, while the Government officers and Ministers are being treated in the Willingdon Hospital and the All India Institute of Medical Sciences, where crores of rupees are spent, the poor villagers will be at the mercy of the quacks. Therefore, so far as the junior doctors are concerned, it should be made compulsory that they should work in the villages at least for two years Will the Government consider these proposals favourably?

MR. SPEAKER: It is a suggestion for action.

SHRI EDUARDO FALEIRO: It is not a suggestion. Is the Government aware of this proposal? Secondly, why is it that the Government have not consulted the Indian Medical Association before finalising the scheme?

श्री राज नारायण : श्रीमन्, मैं एक विनम्र निवेदन करना चाहता हूं और वह यह है कि जब सम्मानित सदन के सदस्य और विशेषकर विरोधी पक्ष के सदस्य कोई प्रश्न पूछें तो उन्हें खुला प्रश्न पूछने दें। मैं सदन से कुछ छिपाना नही चाहता और हमारे सम्मानित सदस्य ने जो सवाल किया है, बहुत ही मौजू सवाल किया है, सामयिक सवाल किया है और प्रार्थना हमारी यह है कि जितना उन्हें सवाल करने के लिए समय दिया है, उसका उत्तर देने मे काफी समय लगेगा और आप बीच मे मुझे न टोकें।

माननीय सम्मानित सदस्य की एक बात को तो मैं पहले ही बता चुका हूं। माननीय सदस्य इधर देखें क्योंकि पार्लियामेंटरी सिस्टिम आपकी आंख चेअर की ओर रहनी चाहिए न कि आपकी पीठ, अगर पार्लियामेंटरी सिस्टम को चलाना है। मेरा यह कहना है कि जो जन स्वास्थ्य रक्षक हैं वे प्रिवेंटिव काम करेंगे, क्यूरेटिव नही। यही सुझाव उन्होंने दिया है। यह आलरेडी हमारी स्कीम का अंग है। पता नही कहा से उनके पास इस तरह की सूचना आती है। मै चाहता हूं कि वे इसके बारे मे बता दें। देखिये, ईमानदारी के साथ इस सदन को इस बात को स्वीकार करना चाहिए कि भारतीय चिकित्सा पद्धति को पूर्णरूपेण अंग्रेजी राज्य ने तो बिसरा ही दिया था लेकिन कांग्रेस राज्य ने भी उसको बिल्कुल भुला दिया था। आयुर्वेद खत्म, युनानी खत्म, सिद्धा खत्म, होम्योपैथी खत्म, योग खत्म, नैचुरोपैथी खत्म। जब हम आये, हमने चूंकि गाधी जी की रहनुमाई मे देश की आजादी की लड़ाई लडी थी और उनकी प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति को भी समझते थ तो पहला काम हमने यह किया कि जो चिकित्सा पद्धति सिर के बल पडी हुई थी, उसे हमने पैरो के बल पर चलाना शुरू किया। उसका शीर्षासन हो रहा था, अब वह उठ खडी हुई है। कैसे खडी है, यह मै आपको बताता हू।

प्रत्येक एक हजार की आबादी पर एक जनस्वास्थ्य रक्षक जनता के द्वारा चुना जाएगा। उसका काम यह होगा कि एक हजार की आबादी को—चाहे वह एक गाव मे हो या दो गांव मे हो—वहा अगर गडढे मे पानी इकट्ठा है, मच्छर पैदा होते हैं तो उसको यह बताना होगा कि वहा कैसे मच्छर नही पैदा होंगे, कैसे दात साफ किये जाते हैं कैसे नाखून साफ किये जाते है। वह इन सारी चीजो को देखेगा। यानि वह रोग न आने देने का उपाय लोगो को बतायेगा। इसी के लिए उन्हें तीन महीने की ट्रेनिंग दी जाती है। (व्यवधान)

मैंने सम्मानित सदस्यो को कई बार कहा है कि जरा देश की भाषा नीति को समझने की कोशिश करे। हमारे यहा जितने भी प्रचलित शब्द है, चाहे वे किसी भी भाषा के हों, वे सब हिन्दी के पेट मे समा जायेंगे।

इसलिए श्रीमन्, मैं आपसे निवेदन करूंगा कि जरा आशा नीति को समझने की कोशिश की जाए। (व्यवधान) हम लोगों ने तीस साल तक इसको बनाने की कोशिश की है। अगर इस पर बोलने का आपने अवसर दिया तो मैं बतला दूंगा। (व्यवधान)

मैं आप से निवेदन कर रहा था कि एक हजार से ऊपर की आबादी पर, जैसे हमारा उत्तर प्रदेश है, उसमें प्रत्येक दस हजार की आबादी पर एक प्राइमरी हेल्थ सेन्टर होगा जिसमें हम दो डाक्टर रखेंगे। इस समय एक डाक्टर रहता है। एक और डाक्टर की भर्ती हम कर रहे हैं। वह होम्योपैथी का हो सकता है, आयुर्वेद का हो सकता है, यूनानी का हो सकता है, सिद्धा का हो सकता है। तमिलनाडु में तो सिद्धा का रहेगा, कलकत्ता में होम्योपैथी का रहेगा, बिहार, उत्तर प्रदेश, हरयाणा आदि राज्यों में आयुर्वेद का रहेगा क्योंकि यहां के देहातों के लोग आयुर्वेद की दवाएं करते हैं। इस तरह से एक डाक्टर को हम बढ़ा रहे हैं। (व्यवधान) मध्य प्रदेश में भी और राजस्थान में भी आयुर्वेद का रहेगा। आगे चल कर हम दस हजार की आबादी को घटा कर पांच हजार की आबादी पर यह प्राइमरी हेल्थ सेन्टर रखेंगे। यहां पर दो मल्टीपरपज, यानि बहु-उद्देश्यीय कार्यकर्ता भी रखे जायेंगे जिनमें एक मर्द होगा और एक औरत होगी। औरतों को प्रशिक्षित किया जाएगा दाई के रूप में। ये प्रशिक्षित दाइयां रखने की व्यवस्था हमारी योजना में है और यह प्रशिक्षित दाई प्रत्येक गांव में रहेगी। ये दाइयां ज्यादातर हरिजन परिवार से ही आती है। उनको हम शिक्षित करेंगे और हमारा मंत्रालय उनको पुरस्कार देने के बारे में भी सोच रहा है। (व्यवधान)

हमारे सम्मानित सदस्य ने एक बात कही कि इसके बारे में सदन को और देश को अच्छी जानकारी होनी चाहिए। आल इंडिया मेडिकल एसोसियेशन और आल इंडिया मेडिकल काउंसिल ये दो संस्थाएं डाक्टरों से संबंधित देश में हैं। आल इंडिया मेडिकल कांउंसिल सरकारी अस्पतालों में काम कर रहे डाक्टरों की है जो यह देखती है कि कितने, डाक्टरी के लिए, विद्यार्थियों की भर्ती की जाए, उन्हें क्या पढ़ाया जाए और कैसे पढ़ाया जाए। आल इंडिया मेडिकल एसोसियेशन प्राइवेट डाक्टरों की संस्था है। श्रीमन् इस सदन को जानकारी होनी चाहिए कि हमने प्रत्येक राज्य के स्वास्थ्य मंत्रियों और स्वास्थ्य सचिवों का सम्मेलन यहां दिल्ली में दो बार किया है और हमारे प्रधान मंत्री जी ने बड़ी कृपा की कि उन्होंने उदारतापूर्वक उस सम्मेलन का उद्घाटन किया। उसी अवसर पर दिल्ली राज्य मेडिकल एसोसियेशन के श्री जैन के साथ,—श्री जैन मेडिकल एसोसियेशन के चेयरमैन होने जा रहे है—उनके साथ कई लोग आये।

SHRI D B CHANDRE GOWDA Very important questions are there If the Minister goes on like this they will not be taken up

श्री राज नारायण : मेडिकल एसोसियेशन के सभी लोग हमारे पास आए, सब मेडिकल एसोसिएशन के लोगों ने कहा कि हम योजना के समर्थन में हैं और हम चौदह दिन का नोटिस देकर आल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन का कार्यकारिणी की बैठक बुला रहे हैं और उसमें आप भी भाग लें। हमने कहा बिल्कुल सही बात है लेकिन बैठक की बात तो अलग, समर्थन देने की बात तो अलग चार दिन के बाद स्टेटमैंट आ गया कि राज नारायण का Health Deptt is going to create quacks इसके बाद फिर अनेक राज्यों ने उनके इस बयान पर आपत्ति की। मैं अभी पूना गया था। वहां की राज्य मेडिकल एसोसिएशन के सम्मेलन का मैंने उद्घाटन किया। दो घंटे तक पूरा भाषण देकर मैंने उनको समझाया। अभी मैं केरल गया था। केरल में भी मेडिकल एसोसिएशन

ने सम्मेलन किया। उसका भी मैंने उद्घाटन किया। दिल्ली के बारे मे भी मैं आपको जानकारी करवा दू। पहली दिसम्बर को दिल्ली राज्य मेडिकल एसोसिएशन का सम्मेलन होने जा रहा है। हमारे राष्ट्रपति श्री सजीव रेड्डी ने उदारतापूर्वक चीफ गैस्ट बनने की कृपा कर दी है। परसो मैं और हमारे साथ श्री जैन भी थ, हम उनके पास गये थे और उन्होने चीफ गैस्ट बनना स्वीकार कर लिया है।

हर राज्य मेडिकल एसोसिएशन इसके समर्थन मे है

PROF P. G MAVALANKAR: I am on a point of guidance Can we convert the Question Hour into speeches? In this way, many important questions will be lost I request my esteemed colleague to be brief.

श्री राज नारायण मैं इतना ही बता देना चाहता हूं कि मेडिकल एसोसिएशन के की जो मेडिकल लाइन है वह तो हमारे पक्ष मे है, लेकिन मेडिकल एसोसिएशन के अदर ऐसे लोग है जिनके अन्दर पौलिटिकल कीटाणु घुस गये हैं वे कही-कही विरोधी स्वर निकाल देते हैं। उसकी हमे परवाह नही है। सरकार चाहती है कि उसन जो योजना बनाई है वह अबाध गति मे चले।

SHRI EDUARDO FALEIRO I am very happy to see that these health workers will have only preventive functions and curative functions will be dealt with by the doctor himself Now, what is the Government planning to do to step the doctors working in India from going abroad?

MR SPEAKER It does not arise from the main question.

SHRI EDUARDO FALEIRO: From when this scheme is going to be implemented?

श्री राज नारायण : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्म दिन 2 अक्तूबर से यह स्कीम जारी है। इस समय 777 ब्लाक्स मे यह शुरू है। इसका सब से पहले श्री जय प्रकाश नारायण जी ने बहेटा, पटना मे उद्घाटन किया था। बाद मे दूसरे दिन श्री मोरारजी देसाई, प्रधान मत्री जी ने जहा पर वह बन्द थे डाबू मे वहा किया था। 90,000 जन स्वास्थ्य रक्षक शिक्षित हो रहे है। 80 हजार गाव इसके अन्तर्गत आ रहे है और नौ करोड की आबादी इसमे शामिल है।

बिहार के सहरसा जिले में टेलीफोन कनेक्शन

*143. **श्री विनायक प्रसाद यादव** : क्या संचार मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या बिहार के सहरसा जिले मे करजाइन बाजार, सिमराहो बाजार और प्रतापगज से लोक सभा के सदस्य और नागरिको, व्यापार सगठनो ने वहा पर टलोफोन कनेक्शन लगाने के लिए उनको अभ्यावेदन भेजा था ,

(ख) क्या उन्होने अपने पत्र मे वहा पर बिना किसी विलम्ब के टेलोफोन कनेक्शन लगाने की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया था , और

(ग) क्या अब तक कोई टेलीफोन कनेक्शन नही लगाया गया है और यदि हा, तो यह सुविधा कब तक उपलब्ध की जाएगी ?

संचार मत्री (श्री बृजलाल वर्मा) : (क) जी हा ।

(ख) जी नही ।

(ग) इन स्थानो पर सार्वजनिक टेलीफोन घर खोलने के प्रस्तावो को जल्दी ही मजूरी दे